# सत्ता समीकरण एवं नवाचार मंच में प्रतिनिधित्व

जेबुजेसा ग्राम में किसानों द्वारा पूरे दिन कार्य कर सैकड़ों हैक्टेयर भूमि पर हाथी घास का रोपण किया। ठीक दूसरे दिन सभी किसान पुनः खेत में आये और पूर्व दिन रोपित की गयी समस्त हाथी घास को उखाड़ फैंका। क्यों?

किसानों को सरकारी विस्तार कार्यकर्ताओं द्वारा इस कार्य को करने को कहा गया था। वह विस्तार कार्मिक इथोपिया में नवाचर मंच के सदस्य भी थे। मंच के अन्य सदस्य जो कृषि विभाग के प्रतिनिधि के तौर पर थे उनको राष्टीय सरकार के भूमि एवं जल संरक्षण के लक्ष्यों को प्राप्त करना था। अतः उन्होंने इस बात पर दबाव डाला किसानों को चारागाह वाली भूमि पर चाराघास रोपण हेतु सहमत किया जाय तथा सम्पूर्ण क्षेत्र की घेराबंदी कर दी जाय। किसान घास को रोपण करने के लिए सहमत हो गये लेकिन उनको इस बात का खतरा था कि चारागाह वाली भूमि पर घास रोपण के बाद उनके जानवरों के चरने हेतु स्थान नहीं उपलब्ध होगा एवं कमजोर किसान ईधन हेतु गोबर को भी नहीं प्राप्त कर सकेंगे।

यद्यपि नवाचार मंच में कई किसान सदस्य थे, वे अधिक प्रभावशाली सरकारी स्टाफ के द्वारा प्रभावित किये गये थे। इस प्रकार प्राथमिक तौर पर आरम्भ किया गया चार विकास कार्यक्रम व्यर्थ रहा एवं मंच को इस कार्य को अन्यत्र स्थानान्तरित करना पड़ा।

परिभाशाः
एक नवाचार मंच सीखने एवं बदलाव लाने हेतु एक महत्वपूर्ण स्थान है। इसमें विभिन्न भूमिकाओं एवं हितों वाले लोगों जैसे कास्तकार, व्यापारी, खाद्य प्रसंस्करणकर्ता, सरकारी अधिकारी आदि षामिल होते हैं। यह सदस्य समस्याओं के समाधान ढूंढने, अवसरों की पहचान एवं अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विभिन्न तरीकों की पहचान करते हैं।

## सत्ता एवं प्रतिनिधित्व क्यों महत्वपूर्ण हैं?

नवाचार मंच अधिक शक्तिशाली सदस्यों को कम शक्तिशाली सदस्यों के साथ एक मंच में लाता है। उदाहरण के लिए किसान एवं सरकारी अधिकारी, व्यापारी आदि। इस तरह से यह संयुक्त प्रयास किसी समस्या के समाधान एवं लक्ष्य पूर्ति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि सभी सदस्यों के हितों का ध्यान रखा जाय तो नवाचार मंच बदलाव लाने में एक महत्वपूर्ण उपाय साबित हेा सकता है।

सिद्वान्ततः मंच के सभी सदस्य समान होते हैं तथा अपनी आवश्यकताओं के लिए मंच में अपनी विचार रखते हैं। लेकिन वास्त. विकता अलग होती है। अतः मंच के संचालन में अत्यधिक सावधानी बरतनी होती है।ए शक्ति एवं प्रतिनिधित्व के मुद्दे को समाधान न कर पाने की स्थिति में नवाचार मंच की प्रगति में बाधा पड़ सकती है। यह उन प्राथमिक मुद्दों की प्रगति, प्रवेश गतिविधियों के चयन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

यदि मंच में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाय तो मंच के द्व ारा सम्पादित होने वाली गतिविधियां मात्र कुछ लोगों को ही लाभान्वित करने में सक्षम होंगी तथा यह मंच के उद्देश्यों के प्रतिकूल होगा। इससे समस्याएं सुलझने की बजाय और अधिक विकट हो जायेंगी।

## यह मुद्दे कैसे पैदा होते हैं?

नवाचार मंच प्रायः यह धारणा रखता है कि मंच के समस्त सदस्य एक समान होते हैं एवं उनके द्वारा सम्पूर्ण समूह का प्रतिनिधित्व किया जाता है। वह समस्त सदस्य सामान्य समस्याओं, चुनौतियों की पहच. ान करने में सक्षम भी होते हैं। यह सदस्य एक साझा लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आपसी विश्वास एवं क्षमताओं को विकसित कर सकते हैं।

सत्ता की विभिन्नता इस तरह की मान्यताओं को अस्वीकार कर देती हैं। समुदाय के कुछ सदस्य अन्य सदस्यों की अपेक्षा अधिक धनवान और अधिक प्रभावी होते हैं। महिला सदस्यों की पुरूश सदस्यों से पृथक प्राथमिकता हो सकती हैं। सरकारी अधिकारी सामुदायिक हितों से अधिक सरकारी नियमों को लागू करवाना उचित समझ सकते हैं। व्यापारी कास्तकारों का षोशण करते हुए कास्तकारों की जानकारी प्राप्त करने एवं बाजार संबंधी अन्य जानकारियों को प्राप्त करने की राह में बाधा डाल सकते हैं। पढ़े लिखे लोग ग्रामीण क्षेत्र मेंग्राम के पारम्परिक ज्ञान की अनदेखी किये हुए नयी तकनीक को प्रोत्साहन दे सकते हैं।

सत्ता का संबंध इसलिए महत्व रखता है क्योंकि अनेक सदस्यों के आपसी हितों में टकराव हो सकता है। इस तरह की सहमति प्राप्त करना अत्यधिक जटिल कार्य है जो सभी सदस्यों के लिए समान रूप से स्वीकार्य हो। कुछ सदस्य को जानकारी का आभाव हो सकता है एवं वह अधिक षक्तिषाली लोगों को चुनौती देने में सक्षम नहीं होते हैं। परिणामस्वरूप उनके हित मंच में स्थान नहीं पा सकते हैं। नवाचार मंच के सदस्य एक वृहद समूह को प्रतिनिधित्व करने वाले समझे जाते हैं लेकिन इस तरह के सदस्यों का चुनाव अत्यधिक जटिल है।

यदि उपरोक्त मुद्दों पर ध्यान न दिया जाय तो शक्ति को कई तरह से व्यक्त किया जा सकता है। कुछ सदस्य अन्य की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली होते हैं। प्रथम चरण के दौरान शक्ति के रूपों को पहचानना होता है।

अधिक शक्तिशाली सदस्य  हावी हो सकते हैंः वे अन्य सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने से रोक सकते हैं एवं अपने एजेण्डा को लागू करवा लेते हैं। इस तरह से जो गतिविधियां सम्पादित की जाती है वह मात्र प्रभावशाली लोगों को ही लाभ पहुंचाने में सक्षम होती हैं। इससे मात्र प्रभावशाली लोगों की शक्ति बढ़ती है तथा कमजोर सदस्य हाशिए की ओर अग्रसर होते हैं।

उदाहरण : धनी सदस्य अपने प्रयोग हेतु सिंचाई के उन्नत उपकरणों को स्वयं से क्रय कर सकते हैं। अपने ज्ञान एवं जानकारियों को कमजारे वर्ग के शोषण हेतु प्रयोग करते हैं। मंच के संचालक को इस बात का पूर्व ही ध्यान रखना चाहिए कि मंच में किन मुद्दों पर चर्चा की जानी है तथा किन मुददों को चर्चा का बिन्दु नहीं बनाना है। सकरारी अधिकारी नवाचार मंच को अपने कार्यक्रम कियान्वयन हेतुं प्रयोग कर सकते हैं।

समूह की विविधता नहीं झलकती : किसान अपनी आजीविका कमाने के तरीकों, ज्ञान, प्राथमिकताओं एवं आवश्यकताओं के आधार पर भिन्नता रखते हैं। यदि मंच के साथ मात्र एक ही किसान हो तो वह विविधता को नहीं दर्शा सकता है। इससे अन्य किसानों का प्रतिनिधित्व छूट जाएगा।

उदाहरण : एक मंच पशुपालन के मुद्दे पर फोकस करता है जबकि ज्यादातर किसान जानवर नहीं पालते हैं। यह उच्च गुणवत्ता वाली बाजार को प्रोत्साहित कर सकता है, छूटे हुए किसान बाजार के मानकों को पूर्ण नहीं कर पाते हैं या यह आदमियों को एक निश्चित फसल उगाने हेतु प्रोत्साहित कर सकता है जिससे महिलाओं का कार्य और अधिक बढ़ जाता है।

सभी जानकारियां प्रयोग नहीं की जाती हैं :शक्ति में भिन्नता इस बात को प्रभावित कर सकता है कि किसकी बात या जानकारी को साझा किया जाय।

उदाहरणः वैज्ञानिक या विशेषज्ञ मंच की चर्चाओं के दौरान अपना प्रभुत्व जमा सकते हैं और इस बात पर बल दे सकते हैं कि किसानों के पारम्परिक ज्ञान की अपेक्षा वैज्ञानिक ज्ञान अधिक महत्व रखता है।

## सत्ता एवं प्रतिनिधित्व के मुद्दों की पहचानः

किसी भी मंच को आरम्भ करने से पूर्व स्थानीय बातों को ध्यान रखा जाना चाहिए। आधारमूत सर्वेक्षण प्राथमिक जानकारियां उपलब्ध करवाकर किसी कार्य को आरम्भ करने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करता है। वृहद आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी प्राप्त कर सत्ता की असमानता का पता चला सकता है।

सत्ता समीकरण एवं प्रतिनिधित्व के मुद्दे स्थान–स्थान पर भिन्न हुआ करते हैं और इन समीकरणों के बदलाव के कारण भी अलग–अलग हुआ करते हैं। शक्ति का मुद्दा राजनीति के साथ मिलकर एक समस्या पैदा कर सकता है। इस बात की पूर्व समझ राजनैतिक बाधाओं से मुक्ति प्राप्त कर सकती है।

मुख्य कर्ताओं एवं उनकी भूमिका को चिन्हित करने के लिए हितग्राहियों का विश्लेषण एक अत्यधिक जटिल विषय है और यह समझना कि कौन विभिन्न समूहों को भली प्रकार प्रतिनिधित्व प्रदान कर मंच के उद्देश्यों में सहायक सिद्व होगा। यह भी चिन्हित किया जा सकता है कि कौन सदस्य बाधाएं खड़ी कर सकता है एवं कौन सा सदस्य मंच की गतिविधियों को सुगमता प्रदान कर सकता है। यह इसलिए आवश्यक है कि मंच में आरम्भ से ही सही सदस्यों का चयन हो सके।  हितग्राहियों का विश्लेषण सुगमकर्ता को विभिन्न कर्ताओं के एजेण्डे की भी पहचान कराता है।

एक मंच की स्थापना के पश्चात् सत्ता समीकरणों का अनुश्रवण करना अतिआवश्यक होता है। एक मंच की गतिविधियों को नियमित अवलोकन एवं दस्तावेजित करना भी आवश्यक है। किसी एक सफलता की अपेक्षा उससे आगे देखना महत्वपूर्ण होता है। नवाचार मंच को सुगम बनाने के अधिक जटिल पहलु महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कर सकते हैं।

## षीघ्र प्रतिबिंब और विष्लेशण करने के लिए कुछ सवालः

- कौन षामिल है ? कौन षामिल नहीं हो रहा है और क्यों? सदस्यता कैसे एवं किसके द्वारा निष्चित की जाती है।
- विभिन्न सदस्यों के क्या स्वार्थ या हित हैं और वे किस प्रकार आपस में टकराते हैं?

जटिल सत्ता संबंधों में नियंत्रण पाने के लिए निपुण सुगमता आवष्यक

- किसकी समस्या या आवष्यकता को प्राथमिकता दी जाती है?
- यह कैसे  एवं किसके द्वारा निष्चित होता है?
- संसाधनों पर नियंत्रण कैसे प्रभावित करता है एवं निर्णयों एवं गतिविधियों को कौन प्रभावित करता है?
- मंच सदस्यों को कैसे प्रभावित करता है? किसको लाभ होता है एवं किसको नहीं पहुंचता है? क्या समस्त हितग्राहियों पर प्रभाव को ध्यान में रखा गया है?

## षक्ति एवं प्रतिनिधित्व के साथ सहमतिः

सहभागी ग्रामीण आंकलन समस्याओं को पहचानने एवं प्राथमिकता निर्धारण करने में सहयोग कर सकता है।

सहभागी वीडियो भी अषिक्षित समूहों के लिए अत्यधिक लाभदायक होता है। वह अपनी समस्या की तस्वीर खींच सकते हैं तथा वीडियों भी तैयार कर सकते हैं एवं अपने विचारों को रिकॉर्ड कर सकते हैं। मंच के उन सदस्यों को वीडियो दिखाकर उनको मुद्दे के प्रति उनको जागरूक किया जा सकता है जिन्होंने कभी भी क्षेत्र भ्रमण में न गये हों।

कुषल सुगमकर्ता मंच के सदस्यों के विभिन्न हितों के मध्य सामन्. जस्य स्थापित करने का कार्य भी करता है जिससे वह सहमति की ओर अग्रसर होते हैं। यह भूमिका मंच के सदस्य के लिए जटिल है जो सत्ता संरचना का स्वयं हिस्सा हो। वाहय सुगमकर्ता जो स्थ. ानीय सत्ता हिस्सेदारी का हिस्सा नहीं हैं वह इस कार्य को बेहतर तरीके से कर सकता है। सुगमकर्ता को कम षक्तिषाली सदस्यों के पक्ष में पैरोकारी करने की आवष्यकता हो सकती है। ;ठतपमि 10द्ध ण

षोध से निकलकर आये प्रमाण सदस्यों को मंच की भूमिका के विशय जानने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं।

### केबुसामें सत्ता या षक्ति विभेद में नियंत्रण करनाः

उपर वर्णित केबुसाकेसमें सुगमकर्ता ने सत्ता या षक्ति विशमताओं को समझाने के लिए सहभागी वीडियो एवं भूमिका निर्वहन प्रकिया का संयुक्त रूप से प्रयोग किया। उनके द्वारा मंच के सदस्यों को उनके व्यवहार एवं आचरण में परिवर्तन करते हुए सत्ता या षक्ति से संबंधित मुद्दों को प्रतिबिंबित करने के लिए प्रोत्साहित किया। सरकारी स्टाफ ने ऐसे किसानों से संबंधित मुद्दोंको सूचीबद्व करना आरम्भ किया जिनकी आवाज़ पूर्व में कभी नहीं सुनी गयी थी। मंच के सदस्यों ने गतिविधियों को तैयार करने एवं कियान्वित करने के लिए अधिक सहयोगी दृश्टिकोण को प्रयोग करना आरम्भ किया। परिणामस्वरूप सम्पादित की गयी गतिविधियां किसानों के अनुकूल रहीं। ण

उपसमूह एक विषेश तरह के समूहों की आवष्यकता पर बल दे सकते हैं।वे हाषिये पर स्थित समूहों को और अधिक षक्ति प्रदान कर उनकी क्षमता विकास कर सकते हैं। उदाहरण के लिए ईथोपियामें प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन से संबंधित नवाचार मंच के माध्यम से यह निकलकर आया कि स्थानीय प्रषासन को इस बात की जानकारी नहीं है कि सहभागी नियोजन एवं कियान्वयन को किस प्रकार सुगम  बनाया जाय।

औपचारिक बैठकों के अतिरिक्त अन्य अनौचारिक रिक्त स्थानों का उपयोग सत्ता समीकरणों का पता लगाने के लिए अच्छा तरीका हो सकता है। सबसे अच्छा तरीका संदर्भ पर निर्भर करता है। एक सुगमकर्ता आसानी से मंच के सदस्यों को सत्ता समीकरणों के विशय में विचार करने हेतु प्रोत्साहित कर सकता है। दूसरा व्यावहारिक एवं सक्रिय सीखने का उपयोग कर सकता है। अनुभव आदान–प्रदान हेतु आयोजित भ्रमण के माध्यम से नवाचार मंचों के मध्य सीख एवं अनुभवों का आदान प्रदान किया जा सकता है।

उच्च स्तरीय बांधाओं को व्यक्त करने के लिए विभिन्न स्तरों के मध्य संबंध प्रायः आवष्यक हैं। ष्षक्तिषाली सदस्य अपने मुद्दों को अधिक महत्व देने के लिए अधिक प्रयास कर सकते हैं। एक पद्यति है कि एक राश्टीय स्तर का मंच तैयार किया जाय।;ठतपमि 9द्ध ण

कभी–कभी निर्णय प्रकिया के दौरान मंचों को पीछे रखने की आवष्यकता होती है। यह तब आवष्यक हो जाता है जब निर्णयों के नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आषंका होती है। यह उत्प्रेरक का कार्य करता है तथा इसके परिणाम सकारात्मक बदलाव के रूप में देखे जा सकते हैं।

## स्मरण या याद रखने योग्य बातेंः

षक्ति या सत्ता को कई प्रकार से व्यक्त किया जाता है और सत्ता के समीकरण अत्यधिक जटिल हुआ करते हैं। हाषिये पर रह रहे सदस्य अपने ताकत को बैठक में न प्रतिभाग कर या अपना विरोध कर जता सकते हैं।

नवाचार मंच सत्ता समीकरणों को बदलने में सहयोग कर सकते हैं लेकिन यह जटिल एवं कठिन हो सकता है।क्षमता विकास के माध्यम से सहयोग एक लम्बे समय के लिए आवष्यक हो सकता है।

यदि यह मंच उपरोक्त समस्याओं का समाधान नहीं कर सकता है यह इन मुद्दों को और अधिक स्पश्ट बना सकता है।

नवाचार मंच बदलवा को प्रोत्साहित करते हैं लेकिन बदलाव का कभी असंभावित प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ सकता है।

नवाचार मंच व्यापक रूप से आम लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एवं विभिन्न हितधारकों को जोड़ने के लिए कृषि अनुसंधान में इस्तेमाल किया जाता है। इस नवाचार मंच के डिजाइन और कार्यान्वयन से मार्ग दर्शन में मदद करने के लिए कच्छा (केन्द्र) की एक श्रृंखला में से एक है। CGIAR. Humid-tropics अनुसंधान कार्यक्रम के लिए एक योगदान, कच्छा (केन्द्र) के विकास के अंतर्राष्ट्रीय पषुधन अनुसंधान संस्थान के नेतृत्व में किया गया था। यह नवाचार मंच, कच्छा (केन्द्र) पानी और भोजन पर CGIAR चेलेंज कार्यक्रम के अनुभव एवं कई CGIAR केन्द्रों एवं साथी संगठनों पर आकर्शित है। इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोश (आई एफ एडी) द्वारा वित्त पोषित MilkIT परियोजना द्वारा समर्थित किया गया।

## Credits

Authors:
Beth Cullen (ILRI), Josephine Tucker (ODI) and Sabine Homann-Kee Tui (ICRISAT)

Artwork: Beniyam Seyoum, Tewodros Girma and Alfred Ombati

Editors: Paul Mundy and Peter Ballantyne

Layout: Meron Mulatu

## Other briefs in this series

1 What are innovation platforms?
2 Innovation platforms to shape national policy
3 Research and innovation platforms
4 Power dynamics and representation in innovation platforms
5 Monitoring innovation platforms
6 Innovation platforms for agricultural value chain development
7 Communication in innovation platforms
8 Developing innovation capacity through innovation platforms
9 Linking action at different levels through innovation platforms
10 Facilitating innovation platforms
11 Innovation platforms to support natural resource management
12 Impact of innovation platforms

ilri.org
*better lives through livestock*
ILRI is a member of the CGIAR Consortium

Box 30709, Nairobi 00100, Kenya
Phone: +254 20 422 3000
Fax: +254 20 422 3001
Email: ILRI-Kenya@cgiar.org

Box 5689, Addis Ababa, Ethiopia
Phone: +251 11 617 2000
Fax: +251 11 617 2001
Email: ILRI-Ethiopia@cgiar.org

This document is licensed for use under a Creative Commons Attribution – Noncommercial – Share Alike 3.0 Unported Licence.

June 2015